।। श्रीरामजयम् ।।

।। श्रीधर्मसम्राट् विजयते ।।

।। श्रीनाभादासकृत श्रीभक्तमाल की पदानुक्रमणिका ।।

(सम्पादक - अंकुर नागपाल, दिल्ली)

अंकुश अम्बर कुलिश	६
अंगद परमानन्द दास जोगी	१५१
अंगीकार की अवधि यह ज्यों	१२६
अंघ्री अम्बुज पांशु को	११
अंब अल्ह कौं नये प्रसिद्ध	५४
अक्षर तनमय भयौ मदनमोहन	१४५
अगर अनुग गुन बरनते	२०१
अगर कहैं त्रैलोक में हरि	२००
अगस्त्य पुलस्त्य पुलह	१६
अग्रदास हरिभजन बिन	४१
अग्रदेव आज्ञा दई भक्तन	४
अचरज कहा यह बात	७४
अचरज भयो तहँ एक	६६
अचरज मानत जगत् में	६२
अच्युतकुलअनुराग प्रगट	१२०
अच्युतकुलजस बेर यक	२१२
अच्युतकुलपन एकरस निबह्यौ	१५७
अच्युतकुलब्रह्मदास विश्राम	१४७
अच्युतकुलसेवैं सदा दासन	१५१
अच्युतकुलसौं दोष सुपनेहूँ	१३६
अजर धर्म आचयौं लोक	११९
अजामेलपरसंग यह	७
अज्ञान ध्वांत अन्तहिं करन	७८
अति आनन्द मन उमँगि सन्त	१९६
अति उदार दम्पति त्यागि	६६
अति उदार निस्तार सुजस	८८
अति गम्भीर सुधीर मति	१८८
अति प्रचण्ड मारतण्ड सम तम	१९३
अतिथि धर्म प्रतिपालिप्रगट	१८५
अननि भजन रसरीति पुष्ट	१९८
अनन्तानन्द कबीर सुखा	३६
अनन्य भजन दृढकरनि	१३८
अनायास रघुपति प्रसन्न	१९
अनुचर आज्ञा माँगि कह्यो	५८
अनुचर कौ उत्कर्ष स्याम	२०१
अनुरागी अक्रूर सदा उद्धव	१५
अन्तर प्रभु सौं प्रीति प्रगट रहै	१९४
अन्तर शुद्ध सदाँ रहै रसिक	१९५
अन्तरंग अनुचर हरि जू	७
अन्तरनिष्ठ नृपालइक परम	५७
अन्तरिक्ष अरु चमस	१३
अब भक्तनि सुखदैन बहुरि	१२९
अब लीला ललितादि बलित	८८
अब सोधे सब ग्रन्थ अर्थ	७०
अभिलाष अधिक पूरन करन	९९
अभिलाष उभै खैमालका	१२१
अभिलाष भक्त अंगद कौ	११३
अभैराम एक रसहिं नेम	११७
अमलकरी सब अवनि	८२
अमित महागुन गोप्य सार	१५६
अमूरति अरु रन्तिदेव	१२
अर्जुन ध्रुव अम्बरीष	१५
अर्थ धर्म काम मोक्ष भक्ति	१३१
अर्थ विचित्र निमोलसबै	१४०
अर्द्ध न जातैं पौन उलटि	१८३
अर्द्धचन्द्र षट्कोन मीन	६
अर्प्यो पद निर्वान सोक	३८
अलग न इहि विधि रहै	५७
अल्हराम रावलकृपा आदि	१३५
अवतार विदित पूरब मही	७२
अवला शरीर साधन सबलये	१७०
अवलोकत रहैं केलिसखी	९१
अशोक सद्रा आनन्द	१९
अश्वकमलबासुकी अजित	२७
अष्टकोन त्रैकोन इन्द्रधनु	६
अष्टपदी अभ्यास कै तेहिं	४४
अष्टांगयोग तन त्यागियौ	१८२
असन वसन सनमान करत	१९१
असुर अजीज अनीति अगिनि	१४१
आगम निगम पुरान सार	१३४
आगम निगम पुरान सार	१५९
आगमोक्त शिवसंहिता	२७
आगे पीछे बरनते जिनि	२०५
आचारज इक बात तोहिं	५८
आचारज जामात की कथा	३३
आचारज हरिदास अतुल	४८
आज्ञा अटलसुप्रगट सुभट	१९३
आडौ बलियौ अँक महोच्छौ	१६६
आदि अन्त निर्वाह भक्तपद	१७७
आदि अन्त लौं मंगल	७
आनन्दकन्द श्रीनन्द सुत	७६
आमेर अछत कूरम कौ	११६
आयुध-छत तन अनुग के	५३
आये सारंगपानि शोकसागर	५५
आरज कौ उपदेश सुतौ	१२०
आरज गुन तन अमित भक्ति	१३३
आरत हरिगुण शीलसम	१६५
आरूढदसा ह्वै जगत् पर	६०
आवहिं दास अनेक उठि सु	१५३
आशा पास उदारधी	१८
आशै अगाध दुहुँ भक्त	५१
आस पास वा बगर के जहँ	२१
आसकरन पूरन नृपति भीषम	१०२
आसकरन रिषिराज रूप	१५८
आस-पास कृषिकार खेत	६२
आसशय अधिक उदार रसन	१८६
आसाधर द्यौराजनीर सधना	९६
आसुधीर उद्योतकर	९१
इंदिरा पद्धति उदारधी सभा	३२
इक अक्षर उद्धरैं ब्रह्म	१२९
इन मंजन इस पान हृदय	३४
इनकी कृपा और पुनि	७
इनके पद बंदन किये	१
इला पत्र मुख अनन्त अनन्त	२७
इलावर्त्त अधीस संकर्षन	२५
इहाँ उदर बाढै विथा औ	२०९
ईश्वर अखैराज रायमल	११७
ईश्वरांश अवतार महि	४२
उक्ति चोज अनुप्रास वरन	७३
उग्र तेज ऊदार सुघर	८५
उत श्रृंखल अज्ञानी जिते	४२
उत्कर्ष तिलक अरु दाम कौ	९२
उत्कर्ष सुनत सन्तनि कौं	२०२
उत्कलदेश उडीसा नगर	७१
उत्तम भो लगाय मोर मरकट	९१
उत्सव में सुत दान कर्म	८४
उदधि सदा अक्षोभ सहज	१३२
उदासीनता अवधि कनक	१८५
उदै अस्त परवत गहिर मधि	१८३
उद्धव रघुनाथी चतुरोनगन	१४७
उद्धव रामरेनु परसराम गंगा	१४७
उनकी भक्ति भजन को	२१२
उपजीवी इन नाम के	१४
उपदेशे नृपसिंह रहत नित	७८
उपमा और न जगत् में	१२८
उरग अष्टकुलद्वारपाल	२७
उलटि राव भयो शिष्य	६३
उल्का सुभट सुषेन दरीमुख	२०
ऊँचे तें भयौ पात	११२
ऊसर तें सर कियौ	१०८
ऋषिराज सोचि कह्यो नारि	५७
ए सात प्रगट विभु भजन	८०
एक भूप भागौत की कथा	५६
एक समै अध्वा चलत	६५
एक समै संकष्ट लेय	११३
एकन कें यह रीति नेम	९२
ऐसे कुलउत्पन्न भयौ	१०८
ऐसे नरनारी जिते तिनही	१०
ऐसे लोक अनेक ऐंचि	१७३
ओत-प्रोत अनुराग प्रीति	२०१
और भूप कोउ छ्वै सकै	११९
और युगन तें कमलनयन	५५
औरौ अनुग उदार खेम खीची	१५०
औरौ शिष्य प्रशिष्य एक	३६
औली परमानन्द कै ध्वजा	१६९
कठिन कालकलियुग में	१६०
कठिन मोह कौ फन्द तरकि	१८२
कता कीर्तन प्रीति सन्तसेवा	१७५
कथा कीरतन नेम रसन	१३७
कथा कीरतन प्रीति भीर	१४२
कथा कीरतन मगन सदा	१९७
कथा कीर्त्तन नेम मिलैं	१६८
कपट-धर्म रचि जैन-द्रव्यहित	५१
कबीर कानि राखी नहीं	६०
कबीर कृपा तें परमतत्त्व	६८
कमधुज कुटकै हुवौ चौक	१४१
कमध्वुज के कपि चारु चिता	५२
कमला गरुड सुनन्द आदि	९
कमलाकर भट्ट जगत् में	८६
करकोटक तक्षक सुभट	२७
करजोरे इक पाँय मुदित	१५५
करणामृत सुकवित्त उक्ति	४६
करतैं दौना भयो स्याम	५०
करमचन्द कश्यप सदन बहुरि	७८
करमशीलसुरतान भगवान्	११७
करमानन्द अरु कोल्ह अल्ह	१३९
करि जोगिन सौं वाद वसन	१९०
करुणासिन्धु कृतज्ञ भये	७२
करुना छाया भक्तिफलए	९७
करुना वीर सिंगार आदि	१३०
कर्दम अत्रि रिचीक गर्ग	१६
कर्मठ ज्ञानी ऐंचि अर्थ	४५
कर्मा धर्मानन्द अनुज	२१
कला लखा कृतगढौ मानमती	१०४
कलिकुटिलजीव निस्तार	१२९
कलिजीव जञ्जाली कारनै	४७
कलिविशेष परचौ प्रगट	२०२
कलिकालकठिन जग जीतियो	१३५
कलिजुग जुवतीजन भक्तराज	१०४
कलिजुग भक्ति करी कमान	११९
कलियुग कलुष न लग्यौ दास	१९५
कलियुग धर्मपालक प्रगट	४२
कवि हरि करभाजन भक्ति	१३
कविजन करत विचार बडौ	२००

कवित नोख निर्दोष नाथ ८१
कवित सूर सौं मिलत भेद १२५
कहनी रहनी एक एक प्रभुपद १७२
कहा भयो कर छुटे बदौं ४६
काछ वाच निकलंक मनौ ११६
काजी अजित अनेक देखि ७५
कात्यायनि सांखल्य १८
कात्यायनी के प्रेम की बात १२७
कान्हरदास सन्तनि कृपा हरि १७१
काम क्रोध मद मोह लोभ की १३५
काम क्रोध मद लोभ मोह १९७
कायथकुलउद्धार भक्ति दृढ १६१
कालबृथा नहिं जाय निरन्तर १७५
कालुख सांगानेर भलौ भगवान् १४९
काशीश्वर अवधूत कृष्ण किंकर ९६
काश्मीरि की छाप पाप ७५
काहू के आराध्य मच्छ ९२
काहू के बलजोग जज्ञ २१४
किंकर कुण्डा कृष्णदास खेम १४७
किंपुरुष राम कपि भरत २५
किल्ह अगर केवलचरण ३९
कीरतन करत कर सुपनेहुँ १४४
कीरति कीनी भीम सुत सुनि १५४
कीरतिदा वृषभानु कुँअरि २२
कील्ह कृपा कीरति विशद् १५८
कील्ह कृपा बलभजन के १८२
कुंजकेलिदम्पत्ति तहाँ की ९०
कुंजविहारी केलिसदा १९८
कुरु बराह भूभृत्य वर्ष २५
कुरुतारक शिष्य प्रथम ३१
कुश पवित्र पुनि क्रौंच कौन २४
कृपणपालकरुणा समुद्र ३१
कृष्ण कलस सौं नेम जगत् १४४
कृष्ण कृपा कोपर प्रगट ४६
कृष्ण केलिसुखसिन्धु अघट १६२
कृष्ण दाम बाँधे सुने तिहि ४९
कृष्ण भक्ति को थम्भ ब्रह्मकुल १९१
कृष्ण रुक्मिनी केलिरुचिर १२४
कृष्ण विरह कुन्ती शरीर त्यों १२८
कृष्णकृपा कहि बेलिफलित ४७
कृष्णजीवन भगवान् जन १४६
कृष्णदास (कृपाकरि) भक्तिदत्त४१
कृष्णदास कलिजीति न्यौति १८५
कृष्णदास पण्डित उभै ९४
केवलराम कलियुग्ग के पतित १७३
केशवभट नरमुकुटमणि जिनकी७५
केसौ पुनि हरिनाथ भीम १०१
कोउ कह अवनी बडी जगत् २००
कोउ मालाधारी मृतक ३३
कोक काव्य नव रस सरस ४४
कोटि ग्रन्थ को अर्थ तेरह ४७
कोमलहृदै किशोर जगत् १५०
कोशलेश पदकमलअननि १३०
कौंधनी ध्यान उर में बस्यौ १८९
कौषारव कुन्ती बधू पट ९
क्यारे कलस औली ध्वजा १६६
क्वाहब श्रीरँग सुमति सदानन्द १७८
क्षमा शीलगम्भीर सर्व लच्छन १९१
खरतर खेम उदार ध्यान केसौ १५१
खरिया खुरपा रीति ताहि १७५
खरी भक्ति हरिषांपुरे गुरुप्रताप १६४
खीचनि केसी धना गोमती १७०
खेचर नर की शिष्य ७७
खेम श्रीरंग नन्द विष्णु १००
खेमालरतन राठौर की सुफल १२२
खेमालरतन राठौर के अटल ११८
गंगा गौरी कवरि उबीठा १०४
गद्गद गिरा गुदार स्याम ७४
गम्भीरे अर्जुन जनार्दन गोविन्द १०५
गरुड नारदी भविष्य १७
गलतें गलित अमित गुण १८५
गाँव हुसंगाबाद अटलऊधौ १६९
गांगेय मृत्यु गंज्यो नहीं त्यों ४०
गान कला गन्धर्व स्याम ९१
गान काव्य गुणराशि सुहृद् १२६
गायौ भक्ति प्रताप सबहिं १२३
गिरा गंग उनहारि काव्य ४८
गिरा गदित लीला मधुर १०९
गिरिधरन ग्वालगोपालकौं १९४
गिरिधरन रीझि कृष्णदास ८१
गिरिराजधरन की छाप गिरा १२४
गुंजामाली चित उत्तम १०३
गुण असंख्य निर्मोलसन्त ६१
गुनगन विशद् गोपालके एते १४६
गुननिकर गदाधर्भट्ट अति १३८
गुननिधि जस गोपालदेइ १०१
गुरु की गिरा विश्वास ५८
गुरु गंगा में प्रविशि ३४
गुरु गदित वचन शिष सत्य ५८
गुरु गमन कियो परदेश ३४
गुरु धर्म निकष निर्वह्यौ विश्व १३५
गुरु शिष्य की कीर्ति में २०६
गुरुवत्तन गिरिराज भलप्पन सब १३२
गोकुलगुरुजन प्रीति प्रीति घन १९९
गोप नारि अनुसारि गिरा १२७
गोपाली जनपोषकौं जगत् १९५
गोपी ग्वालपितु मातु नाम १६१
गोपीनाथ पद राग भोग १२५
गोपुर ह्वै आरूढउच्च स्वर ३१
गोप्य केलिरघुनाथ की (श्री) १३०
गोप्य स्थलमथुरा मण्डल ८७
गोमा परमानन्द प्रधान द्वारका १४९
गोविन्द गंगा रामलाल १०२
गोविन्द भक्ति गद रोग गति १३७
गोविन्दचन्द गुन ग्रथन को १६१
गोसू रामदास नारद स्याम १४६
गौडदेश पाखण्ड मेटि कियौ ७२
गौडदेश बंगालहुते सबही ८९
गौतमी तन्त्र उर ध्यान धरि १६१
गौर स्याम सौं प्रीति प्रीति १९९
ग्वालगाय ब्रज गाँव पृथक् १६२
घमण्डी युगलकिशोर भृत्य ९४
घर आये हरिदास तिनहिं ६२
घर झर लकरी नाहिं शक्ति ६७
घृत-सहित भैंस चौगुनी ५२
घोष निवासिन की कृपा २२
चण्ड प्रचण्ड विनीत ८
चतुर महंत दिग्गज चतुर ३२
चतुरदास जग अभय छाप १५८
चतुरभुज चरित्र विष्णुदास १०३
चतुर्थ तहाँ अभिनन्द नन्द २१
चतुर्भुज नृपति की भक्ति ११४
चन्द्रहास अग्रज सुहृद् परम ११०
चन्द्रहास चित्रकेतु ग्राह ९
चन्द्रोदय हरिभक्ति नरसिंहारन १८१
चरण चिह्न रघुवीर के ६
चरण धोय दण्डौत विविध १९६
चरण धोय दण्डौत सदन में १५३
चरण शरण चारण भगत १३९
चारि जुगन में भगत जे २०७
चारि बरन आश्रम सबही ३५
चारि वरन आश्रम रंक राजा १५२
चारौ युग चतुर्भुज सदा ५२
चालक की चरचरी चहुँदिसि १२४
चित्र लिखित सौं रह्यौ त्रिभंग १४५
चित्सुख टीकाकार भक्ति १८१
चिन्तामणि सँग पायकै ४६
चेता ग्वालगोपालशंकर १७८
चौबीस प्रथम हरि बपु २८
चौबीस रूप लीला रुचिर ५
चौमुख चौरा चण्ड जगत् १३९
चौरासी रूपक चतुर बरनत १३९
छपन भोग तैं पहिल ५०
छिप्र छुडहरी गही पानि ६३
छीतम द्वारकादास माधव १००
छीति स्वामि जसवन्त गदाधर १४६
जंगली देश के लोग सब १३७
जंगी प्रसिद्ध प्रयाग विनोदी १५०
जग कीरति मंगलउदै २०८
जग प्रपंच ते दूरि अजा १२७
जग मंगलआधार भक्ति ३६
जगत् विदित नरसी भगत १०८
जगन्नाथ इष्ट वैराग्य सींव ७०
जगन्नाथ के द्वार दँडौतनि १०७
जगन्नाथ कौ दास निपुन अति १८९
जगन्नाथ पद प्रीति निरन्तर ७१
जतीरामरावल्लि श्यामखोजी ९७
जनम करम गुन रूप ७३
जनम करम भागवत धरम २८
जन्म कर्म लीला जुगति १२५
जप तप तीरथ नाम नाम ६८
जमुना कोली रामा मृगा १०४
जम्बु और पलच्छ सालमलि २४
जय जय मीन बराह ५
जयदेव कवि नृप चक्कवै ४४
जयन्त धारा रूपा अनुभई १०५
जयन्ती नन्दन जगत् के १३
जस वितान जग तन्यौ सन्त १७२
जसवन्त भक्ति जयमालकी १५५
जसूस्वामि के वृषभ चोरि ५४
जाके सिर कर धर्यो तासु ३८
जाडा चाचागुरू सवाई ९७
जाडा हरन जग जाडता १२४
जानकी जीवन चरण शरण १६३
जानकी जीवन सुजस रहत १३०
जानि जगत् हित सब गुननि १९२
जाबालियमदग्नि मायादर्श १६
जासु सुजस ससि ऊदै ७६
जासु सुजस सहज ही कुटिल १९३
जीवत जस पुनि परमपद १६४
जुग जेवा कीकी कमला १०४
जुगलनाम सौं नेम जपत ९१
जे बसे बसत मथुरा मण्डल १०३
जेंवत देखे सबनि जात काहू ३३
जेतिक हरि अवतार सबै ८६
जेवा हरिषां जोइसिनि १७०
जैतारन गोपालके केवल १४९
जैदेव राघौ विदुर दयाल १४७
जैमलके जुधि माँहि अश्व ५२
जोग जग्य व्रत दान भजन ६०
जोग जुगति विश्वास तहाँ १८३
जोगानन्द उजागर वंश करि १३६
जोबनेर गोपालके भक्त १०६
जौं हरि प्राप्ति की आस है २१०
ज्ञान स्मारत पच्छ कौं ८७
ज्यों चन्दन कौ पवन नीम्ब १३७
ज्यौं जोगेश्वर मध्य मनो ७७
ज्यौं पारौ दै पुटहिं सबनि १५९
ज्यौं साखा द्रुम चन्द जगत् १७१
टोडे भजन निधान रामचन्द्र ११७
ठौर-ठौर हरिकथा हृदै अति १५३
तत्वदरसी तमहरन शीलकरुना १७३
तत्वा जीवा दक्षिण देश ६९
तन मन धन परिवार ९५
तस्य राघवाननद भये भक्तन ३५
ता रस में नित मगन असद् १६२
तात मात डर खेत थोथ ६२
तादृश ह्वै तिहिं काल ६३
तान मान सुर तालसुलय १८०
ताय तोलिपूरौ निकष ज्यौं १६८
तालमृदंगी वृक्ष रीझि १२७
तितनेई गुरुदेव पधति ३१

तिन चरण धूरि मो	१२
तिन तैसें परतच्छ भूमि	६५
तिन पर स्वामी खिजे वमन	६५
तिनके दरशन काज गये	२६
तिनके नरहरि उदित मुदित	३७
तिनके रामानन्द प्रगट विश्व	३५
तिरलोक पुखरदी बिज्जुली	९८
तिलक दाम अनुराग सबनि	१३६
तिलक दाम आधीन सुवर	१५७
तिलक दाम की सकुच	५१
तिलक दाम धरि कोइ ताहि	५६
तिलक दाम नवधारतन कृष्ण	१७३
तिलक दाम पर काम कौं	१७९
तिलक दाम सौं प्रीति	८४
तिलक दाम सौं प्रीति हृदै	१६५
तीनि कांड एकत्व सानि	४५
तूंवर कुलदीपक सन्तसेवा नित	१७९
ते किये नारायण प्रगट	८७
तेज पुञ्ज बलभजन महामुनि	३८
तेहिं मारग बल्लभ विदित	४८
तैसेई देइये श्याम वरष दिन	५४
तैसोइ पूत सपूत नूत फल	१७२
त्रिधा भाँति अति अनन्य	१२२
त्रिविध ताप मोचन सबै	१५०
त्रेता काव्य निबन्ध करी	१२९
थानेश्वरी जगन्नाथ लोकनाथ	९४
दई दास की दादि हुण्डी	१०७
दच्छनि दिसि विष्णुदास गाँव	१५७
दधिमुख द्विविद मयन्द	२०
दधीचि पाछें दूसरि करी	१८५
दम्पति सहज सनेह प्रीति	१९८
दयादृष्टि बसि आगरैं कथा	१६७
दरसन परम पुनीत सभा	१३१
दरसन पुनीत आशय उदार	१३३
दलहा पद्म मनोरथ राँका	९७
दश आठ स्मृति जिन	१८
दशधा मत्त मरालसदा	१६५
दशधा सम्पति सन्त बल	११८
दसधारस आक्रान्ति महत्	७२
दान केलिदीपक प्रचुर अति	१६१
दामोदर सौंपिले गदा ईश्वर	१०५
दारुमई तरवार सारमय रची	५२
दास प्रयाग लोहंग गुपाल	१००
दासत्व अनन्य उदारता	१२०
दासनि के दासत्व कौ चौकस	१६९
दाह कृत्य जों बन्धु न्यौति	३३
दाहिमा वंश दिनकर उदय	३८
दिनकरसुत हरिराज	२०
दिवदास वंश जसोधर सदन	१०९
दिव्य भोग आरती अधिक	९५
दुर्लभ मानुष देह कौं लालमती	१९९
दुर्वासा प्रति स्यात दास	२०२
दुष्ट किये निर्जीव सब	५५
दुष्टनि दोष विचारि मृत्यु	११५
दूदा नारायणदास नाम मांडन	१३९
दूबरो जाहि दुनियाँ कहै	१६८
दृढहरिभक्ति कुठार आन	७५
देखत कौ तुलाधार दूर आसै	१५६
देखा-देखी शिष्य तिनहुँ	६५
देमा प्रगट सब दुनी रामाबाई	१७०
देय दमामौ पैंज विदित	१५६
देवलउलट्यो देखि सकुचि	४३
देवा हित सितकेश प्रतिज्ञा	५२
देवा हेम कल्यान गंगा	३९
देवाचारज द्वितीय महामहिमा	३५
देवानन्द नरहरियानन्द	१००
देसी सारँगपाणि हंस ता	१२८
द्वारका देखि पालण्टवती	१४१
द्वै सुत दीजै मोहिं कवित	१०९
धनुष बान सौं प्रीति	८३
धन्य धना के भजन को	६२
धरा धाम धन काज मरन	१४१
धरानन्द ध्रुवनन्द तृतिय	२१
धर्मदास सुत शीलसुठि मन	१७६
धर्मशीलगुनसींव महा भागवत	१७४
धूप दीप नैवेद्य बहुरि	११४
धृष्टी विजय जयन्त नीति	१९
ध्यान चतुर्भुज चित धर्यो	१६
ध्रुव उद्धव अम्बरीष	९
ध्रुव गज पुनि प्रह्लाद राम	२०२
नग अमोलइक ताहि	११३
नतरु सुकृत भुजे बीज	२१०
नन्द गोप उपनन्द ध्रुव	२२
नन्द सुनन्द सुभद्र भद्र	८
नन्दकुंवर कृष्णदास कौं निज	१८०
नन्ददास आनन्द निधि	११०
नन्दसुवन की छाप कवित	१०२
नरदेव उभै भाषा निपुन	१४०
नरपति कै दृढनेम ताहि	५६
नरबाहन बाहन बरीस जापू	१०५
नरसिंह कौ अनुकरन होइ	४९
नरसिंह भलभगवान् दिवाकर	१५०
नरहड ग्राम निवास देश	१११
नरहरि गुरु परसाद पूत पोते	१६३
नरहरिदास जनक भीषम	७
नवधा दशधा प्रीति आन	१२०
नवधा प्रधान सेवा सुदृढ	४८
नवधा भजन प्रबोध अनन्य	१११
नवरस मुख्य सिंगार विविध	१२६
नवलकिशोर दृढव्रत अनन्य	१७६
नश्वर पति-रति त्यागि कृष्णपद	१६०
नहुश जजाति दिलीप	१२
नाक सकोचहिं विप्र तबहिं	३३
नाचत सब कोउ आहि काहि	१४५
नाम अजामिलसाखि नाम	६८
नाम अधिक रघुनाथ तें	६८
नाम तिलोचन शिष्य सूर	४८
नाम नरायन मिश्र वंश	१३४
नाम प्रीति नाम बैर नाम	६८
नाम महानिधि मन्त्र नाम	६८
नाम लेत निहपाप दुरित तिहिं	७२
नामदेव प्रतिज्ञा निर्बही ज्यों	४३
नामा ज्यौं नँददास मुई	५४
नारायण आख्यान दृढतहँ	२६
निकट निरन्तर रहत होत	८३
नित सेवत सन्तनि सहित	१८७
नित्यान्त (कृष्ण) चैतन्य की	७२
निद्रावस सो भूप वदन ते	५७
निन्दकजन अनिराय कहा	११९
निपट नरहरियानन्द कौ	६७
निमि अरु नव योगेश्वरा	१३
निम्बादित्य आदित्य कुहर	२८
निम्बादित्य सनकादिका	२९
निरअंकुश अति निडर रसिक	११५
निरखत हरकत हृदै प्रेम	७६
निरगुन सगुन निरूप तिमिर	११६
निरमलकुलकाँथड्या धन्य	१६०
निरवर्त्त भये संसार ते ते मेरे	१४७
निर्जन वन में जाय दुष्ट	५५
निर्भय अननि उदार रसिक	११८
निर्मत्सर निहकाम कृपा करुणा	१३८
निर्मलरति निहकाम अजा तें	१७३
निर्विलीक आसय उदार	१३२
निर्वेद अवधि कलिकृष्णदास	३८
निसिदिन प्रेम प्रवाह द्रवत	६४
निसिदिन यहै विचार दास	१६५
निहकिञ्चन इक दास तासु	५३
निहिकिंचन भक्तनि भजैं हरि	१७५
नीर खीर विवरन परम	५९
नीलमोरध्वज ताम्रध्वज	११
नृतक नारायणदास कौ प्रेमपुंज	१४५
नृत्य करत आमोद विपिन	१९४
नृत्य करत नहिं तन	११२
नृत्य गान गुन निपुन	८८
नृपति द्वार ठाढे रहैं	९१
नेह परसपर अघट निबहि	२०१
नैंननि नीर प्रवाह रहत	७४
नौगुण तोरि नूपुर गुह्यौ	९२
पक्व वृक्ष ज्यौं नाय	७८
पक्षपात नहिं वचन सबही	६०
पगनि घूँघरू बाँधि राम कौ	१२८
पण्डा गोपीनाथ मुकुन्दा	१०१
पण्डित कला प्रवीन अधिक	८६
पण्ढरनाथ कृत अनुग ज्यों	४३
पति पर लोभ न कियौ टेक	१४२
पत्रावलम्ब पृथिवी करी व	३५
पद पढत भई परलोक गति	१७७
पद रचना गुरु मन्त्र मनौं	६४
पद लीनौ परसिद्ध प्रीति जामें	१४५
पदपंकज बाँछौ सदा	१०
पदपराग करुणा करौ जे	१४
पदम पदारथ राम दास	९६
पद्म अठारह यूथपालराम	२०
पद्म संकु पन प्रगट ध्यान	२७
पद्मखण्ड पद्मा पद्धति	६९
पद्मनाभ गोपालटेलटीला	३९
पद्मपुत्र ज्यौं रह्यौ लोभ की	१६४
पयद बकुलरसदान	२३
पर अर्थ परायन भक्त ये	९८
पर उपकार विचार सदा	१७६
पर उपकारक धीर कवित	१३०
पर दुख विदुख श्लाघ्य वचन	१४०
परम धरम कौ सेतु विदित	१३८
परम धरम दृढकरन देव	१४८
परम धरम नवधा प्रधान	१५५
परम धरम साधन सुदृढ	१५६
परम धर्म विस्तार हित प्रगट	१९०
परम धर्म श्रीमुख कथित	१७
परम पारषद समुझि जानि	१८९
परम प्रीति किये सुवश शील	१९३
परम भक्ति परताप धर्मध्वज	१६३
परम रसज्ञ अनन्य कृष्णलीला	८७
परमधर्म प्रति पोषकौं संन्यासी	१८१
परमधर्म प्रतिपालसन्त मारग	१८४
परमधर्म प्रह्लाद सीस देन	१७९
परमहंस वंशनि में भयौ	१०७
परमहंस संहिता विदित टीका	४५
परमानन्द प्रसाद तें माधौ	४५
परमारथ सौं काज हिये	१६५
परशुराम रघुवीर कृष्ण	५
परसि प्रणाली सरस भई	६१
परिचर्या ब्रजराज कुंवर कें	१३१
परिचै प्रचुर प्रताप जानमनि	१८७
परिपाटी ध्वज विजै सदृश	८६
पर्वत लोकालोक ओक	२४
पलक परै जो बीच कोटि	२६
पहिले वेद विभाग कथित	७०
पाँच दोय सत कोस ते	११३
पाँयनि नूपुर बाँधि नृत्य	१२१
पाण्डव विपति निवारि दियौ	२०२
पाद प्रच्छालन सुहथ राय	११४
पादप पीडहिं सींचते पावै	२०३
पादपद्म ता दिन प्रगट	३४
पारथपीठ अचरज कौन सकल	१७९
पारीष प्रसिद्ध कुलकाँथड्या	१४३
पावैं भक्ति अनपायिनी जे	१९
पिंगलकाव्य प्रमान विविध	१४०
पिप्पलद्रुमिलप्रसिद्ध	१३
पिप्पलनिमि भरद्वाज	१२
पीतर पटतर विगत निकष	४७
पीपा प्रताप जग वासना	६१
पीपा भावानन्द रैदास धना	३६

पुर प्रवेश रघुवीर भृत्य २०१
पुर मथुरा ब्रजभूमि रमत १४८
पुर मथुरा सौं प्रीति प्रीति गिरि १९९
पुरुषोत्तम परसाद तें उभै १४३
पुरुषोत्तम सौं साँच चतुर ९७
पूरन इन्दु प्रमुदित उदधि १२२
पूरन प्रगट महिमा अनन्त १८३
पूरबजा ज्यौं बरनतै सब २०३
पूरबजा ज्यौं रीति प्रीति ६९
पृथीराज कुलदीप भीम सुत १७४
पृथीराज नृप कुलबधू भक्तभूप १४२
पृथु पद्धति अनुसार देव १२५
पृथु परीक्षित शेष सूत १०
पृथ्वीराज परचौ प्रगट ११६
पैहारी परसाद तें शिष्य ३९
पोथी लेखन पान अघट ९३
पौगण्ड बालकैशोर गोप ७४
प्रगट अंग में प्रेम नेम सौं १९५
प्रगट अमित गुन प्रेमनिधि १६७
प्रगट विभौ जहाँ घोष ७९
प्रचुर पयध लौं सुजस ११०
प्रचुर भयो तिहुँ लोक ४४
प्रतिबिम्बित दिवि दृष्टि ७३
प्रथम भवानी भक्त मुक्ति ६१
प्रबुध प्रेम की राशि १३
प्रबोधानन्द रामभद्र जगदानन्द १८१
प्रभु के भूषन देय महामन १५२
प्रभुता पति की पधति प्रगट १७७
प्रभू दास के काज रूप ६३
प्रभो तिहारी वस्तु वदन ११३
प्रसाद अवज्ञा जानिकैं पाणि ५०
प्रसिद्ध प्रेम की राशि ११२
प्रसिध बाग सों प्रीति ४१
प्राचीनबर्हि सत्यव्रत ११
प्रान पयानौ करत नेह रघुपति १८९
प्रियदयालपरसराम भक्त १०२
प्रेमकन्द मकरन्द सदा २३
प्रेमपुंज रसरासि सदा गद्गद ८५
प्रेमपुंज सुठि सीलविनय १२१
प्रेमी परम किशोर उदार ११८
प्रेमी भक्त प्रसिद्ध गान अति १९४
फनीवंश गोपालसुव रागा १५९
फलकी शोभा लाभ तरु २०६
बच्छ हरन पाछैं विदित सुनौ ५४
बछवन निवास विस्वास हरि १९६
बदले की बेगारि मूंड वाके ६७
बद्रीनाथ उडीसे द्वारका सेवक १०१
बद्रीपति दत्त कपिलदेव ५
बहुत कालतम निबिड उदै १३७
बहुत कालबपु धारिकै ३६
बहुत ठौर परचै दियौ १०८
बहुर्यो माधवदास भजन बल १९०
बाँदररानी विदित गंगा जमुना १७०
बाँबोली गोपालगुननि गम्भीर १५७
बाढेलबाढकीवी कटक १४१
बात कवित बड चतुर चोख १३३
बार न बाँकौ भयौ गरल ११५
बालवृद्ध नर नारि गोप २२
बालकृष्ण जसवीर धीर ८०
बालकृष्ण बडभरथ अच्युत १०१
बालदशा बीठल्य पानि जाके ४३
बाल्मीकि मिथिलेश गये ११
बाल्मीकि वृद्धव्यास जगन ९९
बाहर भीतर विशद् लगी १६८
बिनै व्यास मनो प्रगट ह्वै ७०
बीकावत बानैत भक्तपन १७९
बीच दिये रघुनाथ भक्त ५५
बीच दियो सो कहाँ राम ५५
बीठलटोंडे खेम पण्डा गूनौरै १४९
बीठलदास हरिभक्ति के दुहुँ १७७
बीरी चन्दन वसन कृष्ण को १५२
बुद्ध कलक्की व्यास पृथु ५
बुधि प्रवेश भागौत ग्रन्थि १११
बूँदी बनियाँ राम मँडौते १०६
बूडिये विदित कन्हर कृपाल १९१
बेला भजन सुपक्व कषाय ९३
बैठे हुते एकान्त आय ६६
बैर भाव जिन द्रोह किय १९७
बोहिथवीरा रामदास सुहेलैं १६९
बौद्ध कुतर्की जैन और ४२
ब्रज बडे गोप पर्जन्य के २१
ब्रजबधू रीति कलियुग विषैं ७४
ब्रजभूमि उपासक भट्ट सो ८७
ब्रजभूमि रहस्य राधाकृष्ण ८९
ब्रजरज अति आराध्य वहै ८१
ब्रजराज सुवन संग सदन २३
ब्रजवल्लभ वल्लभ सुवन ८८
ब्रजवास आस ब्रजनाथ गुरुभक्त १६२
ब्रह्म विष्णु शिव लिंग १७
ब्रह्मरन्ध्र करि गौन भये ४०
भक्त आगमन सुनत सनमुख ११४
भक्त उदित रवि देखि हृदै १९६
भक्त कृपा बांछी सदा १११
भक्त चरणरज जाँचि विशद् ७८
भक्त जिते भू-लोक में कथे २०४
भक्त बरातीवृन्द मध्य दूलह १६४
भक्त भक्ति भगवन्त गुरु १
भक्त भजे की रीति प्रगट ६२
भक्त भलाई वदन नित कुवचन १७१
भक्तदाम जिन-जिन कथी २१३
भक्तदाम संग्रह करै कथन २११
भक्तदास इक भूप श्रवन ४९
भक्तन की अति भीर भक्ति १३४
भक्तन को अपराध करै ८५
भक्तन को उत्कर्ष जनम ८४
भक्तन सौं अनुराग दीन ८२
भक्तन हित सुत विष ५०
भक्तनाम माला अगर उर २१४
भक्तनि की अँघ्रिरेनु वहै १२३
भक्तनि कौ आदर अधिक ११७
भक्तनि कौ बहु मान विमुख १५२
भक्तनि कौ बहुमान दान १५४
भक्तनि कौं सुख दैन फल्यौ १६७
भक्तनि संग भगवाब नित ५३
भक्तनि सो यह भाय भजै गुरु १५७
भक्तनि सौं अति प्रीति १८६
भक्तनि सौं अति प्रीति भक्ति १८४
भक्तनि सौं अति प्रेम ११२
भक्तनि सौं अति प्रेम भावना १६६
भक्तनि सौं अति भाव निरन्तर १५५
भक्तनि सौं कलिजु भलैं निबाई १५३
भक्तनि हित भगवत् रची १६५
भक्तपक्ष उद्दारता यह निर्वही १८९
भक्तपालदिग्गज भगत ए १००
भक्तरत्न माला सुधन गोविन्द १९२
भक्ति जोग जुत सुदृढदेह निज १८७
भक्ति ज्ञान वैराग जोग १९७
भक्ति तेज अति भाल १११
भक्ति दान भय हरन भुज ६४
भक्ति निसान बजायकै काहू ११५
भक्ति भागवत विमुक जगत् १७३
भक्ति भार जूडै जुगलधर्म १५७
भक्ति विमुख जो धर्म सो ६०
भक्ति सुधा जलसमुद्र भये ६९
भक्तिसुधा कौ सिन्धु सदा ८७
भक्तेश भक्त भवतोष कर सन्त १९३
भगवत कृपा प्रसाद परमगति ५९
भगवत धर्म उतंग आन ४७
भगवत् तेज प्रताप नमित १३२
भगवत् धर्म प्रधान प्रसन्न ७१
भगवत् भक्त समान ठौर १२५
भगवन्त भुक्त अवशिष्ट की १५
भगवन्त रचे भारी भगत १७८
भगवन्तमुदित उदार जस रस १९८
भगवानदास श्रीसहित नित १८८
भगवान् रीति अनुराग की १२७
भजन जसोदानन्द सन्त संघट ८२
भजन भाव आरूढगूढगुन १८८
भजन भाव परिपक्व हृदै १२२
भजिवे को दोई सुघर ३
भद्राश्वग्रीवहय भद्रस्त्रव २५
भरत पुत्र भागौत सुमुख ११९
भरत प्रसंग ज्यौं कालिका ६७
भरतखण्ड भूधर सुमेर टीला १५१
भलनरहरि भगवान् १००
भलपन सबै विशेष ही आमेर १४२
भलीभाँति निर्वही भगति सदा १८६
भव निस्तारन हेतु देत ७६
भव प्रवाह निस्तार हित ९६
भवसागर के तरन कौ ४
भाँड भक्त कौ भेष हाँसि ५६
भाँड भेष गाढो गह्यौ दरस ५६
भागौत भलीविधि कथन कौ १३४
भागौत सुधा बरषै वदन १३८
भारतादि भागौत मथित ७०
भावन विरही भरत नफर ९८
भीषमभट्ट अंगज उदार ८२
भेलै तुलसीदास भट ख्यात १६९
भोजन रास विलास कृष्ण १५४
मंगलआदि विचारि २
मंगलमुनि श्रीनाथ ३०
मगन प्रेम पीयूष पयध ९५
मण्डलग्वालअनेक श्याम २२
मति सुन्दर धीधांग श्रम ९७
मथुरा मध्य मलेच्छ वाद ७५
मथुरापुरी निवास आस पद १८८
मदनमोहन सूरदास की १२६
मधुकण्ठौ मधुवर्त्त रसाल २३
मधुकरी माँगि सेवैं भगत १४९
मधुपुरी महोच्छौ मंगलरूप १५२
मधुमंगलसुबलसुबाहु २२
मधुर बैन सुठि ठौर-ठौर १४८
मधुर भाव सम्मिलित ललित ७६
मधुर वचन मन हरन सुखद १७६
मधुर वचन मुँह लाय विविध १५३
मध्यदीप नवखण्ड में भक्त २५
मध्वाचारज मेघ भक्ति सर २८
मन वच सर्वसु रूप भक्तपद १७६
मनुस्मृति अत्रेय वैष्णवी १८
मन्त्री वर्य सुमन्त्र चतुर्जुग १९
मयानन्द महिमा अनन्त १०५
महत् सभा में मान जगत् १७७
महदा मुकुन्द गयेश त्रिविक्रम ९९
महा महोच्छौ मुदित नित्य १४२
महा महोच्छौं मध्य सन्त १२८
महा महोत्सव करत बहुत ८८
महा समुद्र भागौत तें ४७
महासती सत ऊपमा त्यौं ६६
महासमारत लोग भक्ति १०८
महिमा महा प्रवीन भक्तवित १९०
महिमा महा प्रसाद की ६५
माडौठी जगदीसदास लछमन १०६
माण्डव्य विश्वामित्र १६
माधव दृढमहि ऊपरै ११२
माधव सुत सम्मत रसिक १९८
माधौ मथुरा मध्य साधु १३९
माधौ मधुसूदन सरस्वती १८१
मानस वाचक काय राम १६६
मार मारकर खड्ग बाजि ४९
मारग जात अकेलगान १२७
मारू मुदित कल्यान परस १७८
मार्कण्डेय ब्रह्माण्ड कथा १७

मालपुरै मंगलकरन रास	१९४
माला मुद्रा देखि तासु की	१०८
मुकुन्द चरण चिन्तवन भक्ति	१४२
मुरधरखण्ड निवास भूप	१०७
मुरलीधर की छाप कवित	१२३
मृतक गऊ जिवाय परचौ	४३
मो चित्तवृत्ति नित	८
मों मतिसार अक्षर द्वै	२१३
मोहन मिश्रित पद कमल	१७४
यज्ञ रिषभ हयग्रीव	५
यज्ञपत्नि ब्रजनारि किये	१०
यथा लाभ सन्तोष कुँज	८९
यदुनन्दन रघुनाथ रामानन्द	१०३
यह अचरज भयौ एक खाँड	१५४
यह रीति करौलीधीश की	११४
यह सुख अनित्य विचारि	८९
यहै वचन परमान दास	१०६
याज्ञवल्क्य अंगिरा शनैश्चर	१८
यामुन मुनि रामानुज तिमिर	३०
योगानन्द गयेश करमचन्द	३७
योगेश्वर श्रुतिदेव अंग	१०
रंगनाथ को सदन करन	५१
रक्तक पत्रक और पत्रि	२३
रघुकुलसदृश सुभाव श्रेष्ठ	६९
रघुनन्दन को दास प्रगट	८३
रघुनाथ गुसाँईं गरुड	७१
रघुनाथ गोपीनाथ रामभद्र	१०३
रघुवर यदुवर गाइ विमल	३७
रजत रुक्म की रेलसृष्टि	१५४
रत्नाकर संगीत रागमाला	१८०
रमनक मछ मनु दास	२५
रमा पद्धति रामानुज विष्णु	२९
रसना निर्मलनाम मनहुँ	४१
रसरास उपासक भक्तराज	१५९
रसिक रँगीलौ भजनपुंज सुठि	१३३
रसिक रायमलगौर देवा	१५८
रसिकजनन जीवन हृदय	४६
रसिकमुरारि उदार अति	९५
रह्यौ जगत सौं ऐंड तुच्छ	१७७
राग भोग नित विविध	७९
राघौ रुचिर सुभाव असद्	१६८
राजसिंहासन बैठि ज्ञाति	५९
राजसूय जदुनाथ चरण धोय	२०२
राधाकृष्ण उपास्य रहसि सुख	१२६
राधाचरण प्रधान हृदैं	९०
राधारमन प्रसन्न सुनन	४४
राधावल्लभ भजन अनन्यता	१२३
राधावल्लभ भजन प्रगट परताप	१५६
राधावल्लभलालनित्तप्रति ताहि	१५५
रानी पति पर रीझि बहुत	५७
राम उपासक छाप दृढऔर	१६३
राम कलस मन रली	१२१
राम चरण अनुराग सुदृढजाके	१८२
राम चरण चिन्तवनि रहति	४०
राम चरण मकरन्द रहत	१८५
रामचरण मकरन्द रहति मनसा	१३६
रामचरन रसमत्त रहत अहनिसि	१२९
रामदास के सदन राय	५३
रामदास परताप तें खेम	८३
रामदास सुत सन्त अनन्य	१४३
राम-नाम विश्वास भक्त	१०७
राममिश्र रस रासि प्रगट	३०
रामानुज की रीति प्रीति	१४३
रामानुज पद्धति प्रताप अवनि	३५
रामायन नाटक रहसि युक्ति	१३०
रावन जीत्यौ बालिबालि	२००
राष्ट्र विवर्धन निपुण	१९
रास मध्य निर्जान देह	१६६
रिझये राधालालभक्तपद रेनु	१८०
रिभु इक्ष्वाकरु ऐलगाधि	१२
रुक्मांगद हरिचन्द भरत	११
रुक्मिनी लता बरनन अनूप	१४०
रुचिर शीलघन नीललील	१९२
रूप सनातन भक्तिजल	९३
रैना पर गुण राम भजन	११८
लक्षन कला गँभीर धीर सन्तनि	१९५
लक्ष्मण लफरा लडू सन्त	९८
लक्ष्मीपति प्रीणन प्रवीन	८
लगी परोसी हौंस भवानी	६७
लघु दीरघ सुर शुद्ध वचन	१९२
लघु मथुरा मेरता भक्त	११७
लट्यौ लटेरा आन विधि परम	१७२
लाखा छीतर उद्धव कपूर	९९
लाखै अद्भुत रायमलखेम	१५८
लालविहारी जपत रहत	१८६
लालाचारज लक्षधा प्रचुर भई	३३
लाली नीरा लक्ष्मि जुगुल	१७०
लीला जै-जै जैति गाय	७०
लीला पद रस रीति	११०
लोकलाज कुलश्रृंखला तजि	११५
लोमेश भृगु दालभ्य	१६
वंशीवट सौं प्रीति प्रीति ब्रजराज	१९९
वचन प्रीति निर्वाह अर्थ	७३
वदन उच्चरित बेर सहस	१२६
वन्दन सुफलकसुवन दास्य	१४
वर्णाश्रम अभिमान तजि पद	५९
वर्द्धमान गंगलगम्भीर उभै	८२
वर्द्धमान गुरु वचन रति	१४४
वल्लभ जू के वंश में	१३१
वल्लभ जू के वंश में	१३२
वल्लभ सुत बलभजन के	७९
वसन बढे कुन्ती बधू त्यौं	१५४
वह गोकुलवह नन्दसदन	७९
वहै भयौ दसरत्थ राम	४९
वानी भोलाराम सुहृद्	७८
वानी वन्दित विदुष सुजस	८१
वानी विमलउदार भक्ति	१२१
वानी सीतलसुखद सहज	१९५
वामन फरसा धरन सेतुबन्धन	९२
वामन मीन वाराह अग्नि	१७
वारमुखी के मुकुट कौं	५४
वास अटलवृन्दाविपिन	१९९
विट्ठलदास माथुर मुकुट भयौ	८४
विट्ठलनाथ ब्रजराज ज्यौं लाल	७९
विट्ठलेश की भक्ति भयौ बेला	१३२
विट्ठलेश नन्दन सुभाव जग	१३१
विट्ठलेश सुत सुहृद्	८०
विदित गान्धर्वी ब्याह कियौ	११९
विदित बटोही रूप भये	५३
विदित बात जग जानियै	६३
विदित बात संसार सन्त	७७
विदित बात संसार सब	७५
विदित बिलौंदा गाँव देश	१२८
विदित वृन्दावन वास सन्त	१६०
विद्यापति ब्रह्मदास बहोरन	१०२
विधि नारद शंकर	७
विधि निषेध नहिं दास	९०
विधि निषेध बलत्यागि पागि	१९८
विप्र सारसुत घर जनम	१९७
विमलबुद्धि गुन और	७३
विमलानन्द प्रबोध वंश संतदास	१२५
विमुखनि को दियो दण्ड	४२
विविध भक्त अनुरक्त व्यक्त	१९२
विश्व वास विश्वास दास	१९२
विष्णु स्वामि बोहित्थ सिन्धु	२८
विष्णुदास कन्हर रंगा चाँदन	३९
विष्णुपदी भय मानि कमल	३४
विष्णुरात सम रीति बँधेरे	१६४
विष्णुस्वामि सम्प्रदाय दृढ	४८
विष्वक्सेन जय विजय	८
विष्वक्सेन प्रहलाद बलिर	१५
विष्वक्सेन मुनिवर्य्य सु	३०
वीठलसुत विमल्यौ फिरै	१५२
वृन्दावन की माधुरी इन	९४
वृन्दावन दृढवास जुगल	९३
वैरागिन के वृन्द रहत	७७
वोपदेव भागवत लुप्त	३०
वोहिथ रामगुपालकुंवरवर	१४६
व्याघ्र सिंघ गुंजै खरा कछु	१८३
व्यास सुवन पथ अनुसरैं	९०
शंकर शुक सनकादि	१५
शंख चक्र स्वस्तीक	६
शक्ति भक्त सौं बोलिदिनहिं	६७
शिव आसन कैलास भुजा	२००
शिवसंहिता प्रणीत ज्ञान	३२
शिषपन साँचो करन कों	५८
शीलसुशीलसुषेन	८
शुभदृष्टि वृष्टि मोपर करौ	२०
शौच गये अरि संग	७१
श्याम दई कर सैन उलटि	२६
श्यामदास लघुलम्ब अननि	१७८
श्यामा जू की सखी नाम	१६२
श्रवण परीक्षित सुमति	१४
श्रीअंग सदा सानिधि रहैं	१०१
श्रीअगर सुगुरु परताप तें	१६६
श्रीअग्र अनुग्रह तें भये शिष्य	१५०
श्रीअनन्तानन्द पद परसिकै	३७
श्रीकृष्णदास उपदेश परतत्त्व	११६
श्रीगिरिधर जू सरस शील	८०
श्रीगुरु शरणै आय भक्ति मारग	१७१
श्रीघनश्याम जु पगे प्रभू	८०
श्रीजुत खोजी श्याम धाम	१८८
श्रीदामोदर तीर्थ राम अर्चन	१८१
श्रीधर श्रीभागौत में परम	४५
श्रीनारायण प्रगट मनौ लोगनि	१८७
श्रीनारायण भट्ट प्रभु परम	८८
श्रीनारायण वदन निरंतर	२६
श्रीभट पुनि हरिव्यास सन्त	१३७
श्रीभट्ट चरण रज परस तें	७७
श्रीभट्ट सुभट प्रगट्यौ अघट	७६
श्रीभागवत बखानिकै नीर क्षीर	१८४
श्रीभागौत बखानि अमृतमय	८२
श्रीमारग उपदेश कृत स्रवण	३४
श्रीमुख पूजा सन्त की	१०६
श्रीमूरति सब वैष्णव (लघु)	२०५
श्रीयुत् नृप मनि जगत्सिंह	१९३
श्रीरघुनाथ जु महाराज	८०
श्रीरामदास रसरीति सौं	१९६
श्रीरामानन्द पद पाइ भयौ	६१
श्रीरामानन्द रघुनाथ ज्यों	३६
श्रीरामानुज उदार सुधानिधि	२८
श्रीरामानुज गुरु बंधु विदित	३२
श्रीरामानुज पद्धति प्रताप भट्ट	१८४
श्रीरूप-सनातन जीव भट्ट	१५९
श्रीवल्लभ गुरुदत्त भजन	८१
श्रीवृन्दावन वास कुंज क्रीडा	१५५
श्रीवृन्दावनचन्द स्याम-स्यामा	९५
श्रीस्वामी चतुरोनगन मगन	१४८
श्रीहरिप्रिय श्यामानन्दवर	९५
श्रुति स्मृति सम्मत पुरान	८६
श्रुतिधर्मा श्रुतिउदधि पराजित	३२
श्रुतिप्रज्ञा श्रुतिदेव ऋषभ	३२
श्रोता श्रीभागवत रहसि ज्ञाता	१८८
श्वेतदीप में दास जे श्रवण	२६
षट्दर्शनी अभाव सर्वथा	५६
षट्शास्त्रनि अविरुद्ध वेद	४५
संजय समीक उत्तानपाद	१२
संत कंज पोषन विमल	६४
संसार अपार के पार को	१२९
संसार सकलव्यापक भई	१११
संसार स्वाद सुख बांत	८९
संसार स्वाद सुख बांत करि	१६०

संसारी धर्महिं छाँडि झूठ १७१
संस्कार सम तत्त्व हंस ज्यौं १४३
सकलसुकुलसम्बलित ११०
सक्रकोप सुठि चरित प्रसिध १२४
सखा श्याम मन भावतौ १६२
सखा सखी गोपालकाललीला १६१
सख्यत्वे पारत्थ समर्पन १४
सज्जन सुहृद् सुशीलवचन १३८
सतरूपा त्रयसुता सुनीति १०
सत्य कह्यो तिहिं शक्ति सुदृढ ६१
सत्संग महा आनन्द में १२३
सदन आनि सत्कार सदृश ११४
सदन बसत निर्वेद सारभुक १६७
सदन माँहि वैराग्य विदेहिन १३६
सदा युक्त अनुरक्त भक्त १४८
सदाचार अति चतुर विमल १७४
सदाचार ऊदार नेम हरिदास १६७
सदाचार की सींव विश्व ४२
सदाचार गुरु शिष्य त्याग १६८
सदाचार ज्यों सन्त प्राप्त ४१
सदाचार मुनिवृत्ति इन्दिरा १४३
सदाचार मुनिवृत्ति भजन १८४
सदाचार श्रुति शास्त्र वचन ५९
सदाचार सन्तोष भूत सबको १३३
सदाचार सन्तोष सुहृद् सुठि १४४
सदृश गोपिका प्रेम प्रगट ११५
सद्ग्रन्थनि कौ सार सबै ९३
सन्त निरखि मन मुदित उदित १९७
सन्त महन्त अनन्त जन जस १४८
सन्त सरोरुह खण्ड कों ४४
सन्त साखि जानैं सबै ४९
सन्त सिखण्डी खण्ड हृदै १२४
सन्तदास सद्वृत्ति जगत् छोई १९०
सन्तसेय कारज किया तोषत १७८
सन्तोषी सुठि शीलअसद् १७५
सन्तोषी सुठि शीलहृदै १८४
सन्देह ग्रन्थि खण्डन निपुन ५९
सन्देह ग्रन्थि छेदन समर्थ ९३
सप्तद्वीप में दास जे ते मेरे २४
सब सन्तन निर्णय कियौ ३
सबै जगत् की फाँसि तरकि १६०
सबै सुमंगलदास दृढधर्म १५८
समुद्र पान श्रद्धा करै कहँ २०४
सम्प्रदाय शिरोमणि सिन्धुजा ३०
सम्प्रदाय सिर छत्र द्वितीय ८६
सय्या भूषन वसन रचित ७९
सरनागत कौ सिविर दान १७९
सरभ रु गवय गवाच्छ २०
सरलहृदै सन्तोष जहाँ ८४
सरस उक्ति जुत जुक्ति ११०
सरिता कूकस गाँव सलिल १८२
सर्वभूत समदृष्टि गुननि गम्भीर १७१
सर्वभूत सिर नमित सूर ४०
सर्वसु महा प्रसाद प्रसिद्ध ९०
सर्वसु राधारमन भट्ट गोपाल ९४
सर्वसु सिर धरि राखिहौं २०७
सर्वसु सीताराम और कछु ८३
सर्वसु हरिजन जानि हृदै १९१
सवैया गीत श्लोक बेलि १४०
सस्फुट त्योला शब्द लोहकर १५१
सस्फुट वकता जगत् में ८५
सहस्र आस्य उपदेश करि ३१
सांख्ययोग मति सुदृढकियो ४०
सांगन सुत नैं साद राय १४१
साक विपुलविस्तार प्रसिध २४
साखि शब्द निर्मलकहा १८३
साधन साध्य सत्रह पुरान १७
सान्निध्य सदा हरिदासवर्य ८१
साम दाम बहु करैं ११३
सारंग छाप ताकी भई ७४
सारा सार विवेक परमहंसनि १३३
सारासार विवेक बात तीनौं १२०
सारी रामदास श्रीरंग अवधि ३७
सावधान सेवा करैं निर्दूषन १५३
साषि देन कौ स्याम खुरदहा ५३
सिलपिल्ले के कहत कुँअरि ५०
सिष सपूत श्रीरंग को उदित १७५
सीत लगत सकलात ७१
सीतलपरम सुशीलवचन १९६
सीता झाली सुमति सोभा १०४
सीतापति को सुजस वदन १६३
सीतापति कौ सुजस प्रथम १०९
सीतापति पद नित ६
सीतापति राधासुवर भजन नेम १७४
सुकुलसुमोखन सुवन अच्युत ९२
सुखसागर की छाप राम ६४
सुठि सुनन्द पशुपालनिर्मल २१
सुठि सुमिरन प्रहलाद १४
सुत कलत्र धन धाम ताहि १८२
सुत कलत्र सम्मत सबै १०९
सुत दारा धन धाम मोह १८९
सुत नाती पुनि सदृश ११२
सुतबध हरिजन देखिकै ५१
सुधा अंग भ्रूभंग गान उपमा १८०
सुधा बोध मुख सुरधुनी १३४
सुनपथ में भगवान् सबै १०६
सुन्दर शीलसुभाव मधुर १६७
सुन्दर शीलसुभाव सदा १३५
सुमिरे सारँगपाणि रूप ६६
सुमेरदेव सुत जग विदित ४०
सुरगुरु आतातापि पराशर १८
सुरगुरु शुक सनकादि व्यास १३४
सुरथ सुधन्वा शिविर ११
सुरधुनी ओघ संसर्ग तैं १०७
सुरसुरानन्द की घरनि कौ ६६
सुरसुरानन्द सम्प्रदाय दृढ १७२
सुरसुरी सुवर पुनि उद्वले ६५
सूते नर परे जागि बहत्तरि ३१
सूर कवित सुनि कौन ७३
सूर धीर ऊदार दयापर ६९
सूरज कुम्भनदास विमानी ९८
सूरज ज्यों जलग्रहै बहुरि १३५
सूरज पुरुषां पृथू तिपुर ३९
सूरधीर ऊदार विनै भलपन १७४
सूरवीर हनुमत् सदृश परम ८३
सृष्टि सराहै राम सुव १२१
सेज सलिलते काढिपहिल ४३
सेवत चरण सरोज राय ३८
सेवत हरि हरिदास द्रवत १०९
सेवा सहज सनेह सदा आनन्द १८६
सेवा सुमिरण सावधान चरण ४१
सेवासमय विचारिकै चारु २३
सो धारी सिर शेष शेष २००
सो प्रभु प्यारौ पुत्र ज्यौं २११
सो सर्वसु उर साँच जतन १५९
सोझा सींवा अधार धीर ९६
सोती श्लाघ्य सन्तनि सभा १६३
सोदर सोभूराम के सुनौं सन्त १९०
सोभू ऊदाराम नाम डंगूर ९६
सोभूराम प्रसाद तें कृपादृष्टि १९१
सोम भीम सोमनाथ विको ९९
स्याम रहत सनमुख सदा ६३
स्यामसेन के वंश चीधर पीपोर १४९
स्वर्णकार खरगू सुवन भक्त १८०
स्वामी रह्यो समाय दास ५८
हँडिया सराय देखत दुनी १४५
हंस पकरनैं काज बधिक ५१
हनुमन्त जामवन्त सुग्रीव ९
हय गय भवन भण्डार विभौ ८९
हरभूलाला हरिदास बाहुबल ९९
हरि के सम्मत जे भगत १०५
हरि कौ हिय विस्वास नंदनंदन १४४
हरि गुरु हरिदासनि सौं १२०
हरि गुरु हरिबलभाँति १२२
हरि गोविन्द जै-जै गोविन्द ८४
हरि नारायण नृपति पद्म १६९
हरि पकरायो हाथ बहुरि ४६
हरि पूजा प्रह्लाद धर्मध्वज ११६
हरि वल्लभ सब प्रार्थौं ९
हरि विश्वास हिय आनिकै १८६
हरि सुजस प्रचुर कर १०२
हरि सुजस प्रीति हरिदास २०१
हरि सुमिरण हरि ध्यान ५७
हरि हरिदासनि टहलकवित १७२
हरिगुन कथा अगाध भाल ६४
हरिजन को गुण बरनते २०८
हरिजन को गुण बरनते २०९
हरिजन को यश गावते २
हरिदास अयोध्या चक्रपानि ९८
हरिदास भलप्पन भजनबल १३६
हरिदास मिश्र भगवान् १०३
हरिदासन के दास दसा ११८
हरिनाभ मिश्र दीनदास बछ्पाल १४६
हरिप्रसाद रस स्वाद के १५
हरिभक्ति भलाई गुन गम्भीर १७६
हरिभक्ति सिन्धु बेला रचे ३७
हरिभजन सींव स्वामी सरस १८७
हरिभृत्य बसत जे जे जहाँ २४
हरिराम हठीले भजनबलराणा ८५
हरिवंश गुसाँईं भजन ९०
हरिवंश चरनबलचतुरभुज १२३
हरिव्यास तेज हरिभजन बल ७७
हरीदास कपि प्रेम सबै नवधा १५१
हरीदास भक्तनि हित धनि १५६
हरीदास हरिभक्त भक्ति मन्दिर १२२
हस्तक दीपक उदय मेटि १४४
हस्तामलश्रुति ज्ञान सबहि १३१
हाटक पट हित दान रीझि १९४
हिन्दु तुरक प्रमान रमैनी ६०
हिये स्वरूपानन्द लालजस १८७
हिरण्यकशिपु प्रह्लाद प्रगट ८५
हृदै हरिगुन खानि सदा १६४
हृषीकेश भगवान् विपुलबीठल ९४
हैं कहा कहौं बनाइ बात ५०

* * * * *

Ankur Nagpal # +91-9871740762
4/9-10, Vijay Nagar, Double Storey, Delhi - 110009
Email: ankurnagpal108@gmail.com, Facebook: ankur.nagpal.108